International Journal of Advance and Applied Research
www.ijaar.co.in
ISSN – 2347-7075 Impact Factor – 8.141
Peer Reviewed Bi-Monthly
Vol. 7 No. 2 January – February - 2026

खेल आधारभूत संरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) विकास- चुनौतियाँ और अवसर

डॉ. प्रशांत बिभीषण पाटील

[1] *शारीरिक शिक्षा निदेशक,श्री शहाजी छ. महाविद्यालय, कोल्हापूर*

Corresponding Author – डॉ. प्रशांत बिभीषण पाटील

DOI - 10.5281/zenodo.18490985

प्रास्ताविक:

खेल के क्षेत्र में, उपलब्ध सुविधाएं और आधारभूत संरचना (इंफ्रास्ट्रक्चर) खेल और आम स्वास्थ्य फिटनेस के भविष्य से गहराई से जुड़े हुए हैं। एक अच्छी तरह से विकसित खेल आधारभूत संरचना वाला देश एथलेटिक क्षमताओं का बेहतर इस्तेमाल करता है और एक एक्टिव जीवन को ज़्यादा सफलतापूर्वक बढ़ावा देता है। हाल के सालों में, खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को स्वीकार्य अंतरराष्ट्रीय मानकों तक लाने के लिए उसका आधुनिकीकरण और विस्तार किया गया है। आगे के विकास के लिए कई अवसर हैं, लेकिन कई चुनौतियों पर भी विचार करना होगा जो प्रगति में बाधा डालती हैं।

चुनौतियों में अपर्याप्त फंडिंग, नौकरशाही बाधाएं और साइट अधिग्रहण में कठिनाइयां शामिल हैं। रूटीन सफाई और सर्विसिंग जैसे बुनियादी रखरखाव की कमी के कारण कई अन्य सुविधाएं अविकसित रहती हैं। इसके अलावा, युवा पीढ़ी के लिए खेलों का विकास पर्याप्त नहीं है, जिससे कई होनहार खिलाड़ियों को उचित प्रशिक्षण के अवसर नहीं मिल पाते हैं। ये बाधाएं खेल इंफ्रास्ट्रक्चर की प्रभावशीलता और उसके उपयोग को सीमित करती हैं।

समस्याओं को उजागर करने की संभावना बहुत ज़्यादा है। प्राइवेट सेक्टर और सरकारी उपक्रमों द्वारा खेल इंफ्रास्ट्रक्चर फंडिंग का एक उभरता हुआ ढांचा है। अच्छी तरह से नियोजित बहुउद्देशीय और बहु-स्तरीय संरचनाओं की भी बढ़ती मांग है जिनका अधिक कुशलता से उपयोग किया जा सके। एक इनोवेटिव कंपनी निर्माण, निर्माण उद्योग को बदल सकती है जो अधिक पर्यावरण के अनुकूल उत्पादों में खेल सुविधाओं के निर्माण में विशेषज्ञता रखती है।

खेल सुविधाओं और इमारतों के विकास में चुनौतियाँ:

1. **पूंजी या वित्तीय निवेश की कमी** – खेल इंफ्रास्ट्रक्चर बनाने के लिए भारी निवेश की ज़रूरत होती है, लेकिन फंडिंग अक्सर कम होती है। सरकारी बजट और निजी निवेश ज़रूरी हैं, फिर भी अपर्याप्त हैं। सही फाइनेंसिंग के बिना, सुविधाएं घटिया रहती हैं, जिससे एथलीटों का विकास सीमित हो जाता है।

2. **भूमि अधिग्रहण से संबंधित चुनौतियाँ** – रियल एस्टेट की ऊंची कीमतों के कारण खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए ज़मीन खरीदना मुश्किल हो जाता है। शहरी इलाकों में जगह की कमी होती है, जिससे सुविधाओं का विस्तार सीमित हो जाता है। इससे पहुंच सीमित हो जाती है, जिससे महत्वाकांक्षी एथलीटों के लिए अवसर कम हो जाते हैं।

3. **अपग्रेड और रखरखाव की समस्याएं** – कम रखरखाव बजट के कारण कई खेल सुविधाएं उपेक्षा का शिकार होती हैं। नियमित अपग्रेड की ज़रूरत होती है लेकिन

अक्सर इसमें देरी होती है। खराब स्थितियां एथलीटों के प्रदर्शन और प्रतिस्पर्धा को बाधित करती हैं।

4. **जमीनी स्तर पर अपर्याप्त विकास** – जमीनी स्तर पर खेल इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी है, जिससे शुरुआती प्रतिभा विकास सीमित हो जाता है। स्कूलों और समुदायों में अक्सर बुनियादी सुविधाओं की कमी होती है। स्थानीय खेल केंद्रों में निवेश करके इस कमी को पूरा किया जा सकता है।

5. **नौकरशाही और नियामक जटिलताएं** – लंबी मंज़ूरी और नियामक बाधाएं खेल इंफ्रास्ट्रक्चर परियोजनाओं में देरी करती हैं। जटिल अनुपालन निजी निवेश को हतोत्साहित करता है। सुव्यवस्थित नीतियां विकास को गति दे सकती हैं।

खेल सुविधाओं में सुधार की संभावनाएं:

1. **प्राइवेट सेक्टर की ज़्यादा भागीदारी** – प्राइवेट निवेश से एडवांस्ड डिज़ाइन और मटीरियल के साथ खेल इंफ्रास्ट्रक्चर को मॉडर्न बनाया जा सकता है। इससे ट्रेनिंग सेंटर और स्टेडियम में कमियां दूर होती हैं, जिससे एथलीटों का विकास बेहतर होता है।

2. **सरकारी कार्रवाई और नीतियां** – खेलो इंडिया और स्पोर्ट्स यूनिवर्सिटी जैसी योजनाएं जमीनी स्तर पर विकास को बढ़ावा देती हैं। टैक्स में छूट खेल सुविधाओं में प्राइवेट निवेश को प्रोत्साहित करती है, जिससे विकास होता है।

3. **एडवांस्ड टेक्नोलॉजी का इंटीग्रेशन** – आर्टिफिशियल टर्फ, LED लाइटिंग और डिजिटल परफॉर्मेंस मीटर खेल सुविधाओं को बेहतर बनाते हैं। स्मार्ट मेंटेनेंस से ऊर्जा बचती है और एथलीटों की ट्रेनिंग की स्थिति में सुधार होता है।

4. **मल्टी-स्पोर्ट सुविधाओं का विकास** – मल्टी-स्पोर्ट कॉम्प्लेक्स संसाधनों का बेहतर इस्तेमाल करते हैं और एथलीटों की भागीदारी बढ़ाते हैं। वे पब्लिक और प्राइवेट दोनों निवेशकों के लिए किफायती समाधान पेश करते हैं।

5. **पर्यावरण के अनुकूल इंफ्रास्ट्रक्चरल विकास** – सोलर पैनल, बारिश के पानी को इकट्ठा करना और ग्रीन मटीरियल खेल इंफ्रास्ट्रक्चर के पर्यावरणीय प्रभाव को कम करते हैं। सस्टेनेबल डिज़ाइन लागत कम करते हैं और दक्षता बढ़ाते हैं।

स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर के भविष्य में बदलाव:

1. **स्टेडियम के नए रूप और उनके ICT कंपोनेंट्स** – अब स्मार्ट स्टेडियम के कई रूप हैं जिनमें AI एनालिटिक्स, इलेक्ट्रॉनिक टिकट बिक्री और डेटा कैप्चरिंग की क्षमता है। ये नए डेवलपमेंट फैन इंटरेक्शन के साथ-साथ ऑपरेशनल परफॉर्मेंस को भी बढ़ाते हैं।

2. **पब्लिक और प्राइवेट सहयोग पर ध्यान** – राज्य द्वारा किसी प्राइवेट फर्म के साथ मिलकर स्पोर्ट्स स्ट्रक्चर की क्वालिटी को बेहतर बनाने के लिए जो पहल की जा सकती हैं, वे सामने आ रही हैं। ये पहल खिलाड़ियों और निवेशकों के लिए उचित कीमत और समय में फाइनेंसिंग, ज्ञान और प्रतिबद्धताओं के सहयोग को आसान बनाती हैं ताकि उन्हें फायदा हो सके।

3. **ई-स्पोर्ट्स और वर्चुअल ट्रेनिंग सेंटर** – जैसे-जैसे ई-स्पोर्ट्स की लोकप्रियता बढ़ रही है, पारंपरिक स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर में वर्चुअल ट्रेनिंग सेंटर का इस्तेमाल तेजी से आम होता जा रहा है। वर्चुअल रियलिटी (VR) और ऑगमेंटेड रियलिटी (AR) टेक्नोलॉजी के इस्तेमाल से ट्रेनिंग या स्किल सुधार सेशन को आकर्षक बनाया जाता है।

कोर्ट स्पोर्ट्स के इंफ्रास्ट्रक्चर के कुछ खास हिस्सों में रुचि रखने वाले अन्य लोगों के लिए, कोर्ट लेआउट और स्पेसिफिकेशन्स के बेसिक कंपोनेंट्स की जानकारी होनी चाहिए। उदाहरण के तौर पर बास्केटबॉल और बैडमिंटन कोर्ट की खासियतों पर यह इंफ्रास्ट्रक्चर महत्वपूर्ण है ।

आखिरी विचार:

स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर डेवलपमेंट के क्षेत्र से जुड़ी कई समस्याओं के लिए सरकार, प्राइवेट सेक्टर और आधुनिक टेक्नोलॉजी के संयुक्त प्रयासों की ज़रूरत है। अगर ये कदम उठाए जाते हैं, तो इंडस्ट्री में बड़े बदलाव हो सकते हैं और खिलाड़ियों को अंतरराष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन करने के लिए सबसे अच्छी स्थितियाँ मिल सकती हैं।

किसी देश के स्पोर्ट्स इंफ्रास्ट्रक्चर में निवेश करके, उस देश को भविष्य में चैंपियन मिलने की गारंटी होती है क्योंकि इससे एथलेटिक उत्कृष्टता और खेल सफलता की संस्कृति विकसित होगी।

संदर्भ:

1. https://www.investindia.gov.in/blogs/building-indias-sporting-future-challenges-and-opportunities-sports-infrastructure
2. https://www.pwc.in/assets/pdfs/industries/entertainment-and-media/sports-infrastructure.pdf
3. https://www.journalofsports.com/pdf/2019/vol4issue1S/PartA/SP-4-1-11-471.pdf
4. https://iismworld.com/wp-content/uploads/2024/04/A-Report-on-sport-Infrastructure-in-India.pdf
5. https://gallantsports.in/sports-infrastructure-challenges-and-opportunities